पाठ 6

अस्मद्, युष्मद् तथा तद्, एतद्, किम्, यद् और सर्व की द्वितीया विभक्ति, संस्कृत वाक्यों में शब्द-क्रम, भू-गण की कुछ और धातुएँ, यद् और तद् के बीच सह-संबन्ध, समयवाचक अव्यय.

6.1 सर्व. उत्तम पुरुष और मध्यम पुरुष के सर्वनाम अस्मद् और युष्मद् के द्वितीया विभक्ति (कर्मकारक) के रूप नीचे दिए गए हैं:

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
उत्तम पुरुष	**माम्** (मा)	**आवाम्** (नौ)	**अस्मान्** (नः)
मध्यम पुरुष	**त्वाम्** (त्वा)	**युवाम्** (वाम्)	**युष्मान्** (वः)

टिप्पणी:– कोष्ठक में दिए गए वैकल्पिक रूपों का प्रयोग बहुत कम होता है।

6.2 अ. नीचे दिए वाक्यों को बोलकर पढ़िए और उनका हिन्दी में अनुवाद कीजिए:

1. सः मां तत्र नयति। 2. अस्माकं माता अस्मान् स्मरति। 3. वयं युष्मान् पश्यामः। 4. यूयम् अस्मान् पश्यथ। 5. तव भ्राता त्वां कुत्र नयति? 6. सः मां वाटिकां नयति। 7. अहम् अधुना वाटिकां गच्छामि। 8. ते युवां निन्दन्ति। 9. आवां युवां न निन्दावः। 10. तौ तत्र क्रीडतः।

6.3 सा. संस्कृत वाक्यों में शब्द क्रम. संस्कृत के वाक्यों में शब्दों का स्वाभाविक क्रम कर्ता-कर्म-क्रिया का होता है, जैसे– **बालकः पुस्तकं पठति। अहं फलं खादामि।** परन्तु संस्कृत की सभी संज्ञाओं और सर्वनामों में विभक्तियों के चिह्न एकदम स्पष्ट होते हैं इसलिए यदि शब्दों का क्रम बदल भी दिया जाए तो भी अर्थ में कोई अन्तर नहीं पड़ता। **पुस्तकं पठति बालकः। पठति बालकः पुस्तकम्।** या **पठति पुस्तकं बालकः।** इन सभी वाक्यों का अर्थ वही है जो **बालकः पुस्तकं पठति** का है। वाक्य में किसी शब्द पर विशेष बल देने के लिए भी कभी-कभी शब्दों का क्रम बदल दिया जाता है, जैसे–**दुग्धं पिबति सः।** (दूध पी रहा है वह –कोई और चीज़ नहीं।)

6.4 सर्व. अन्य पुरुष के सर्वनाम **तद्** (वह) और **एतद्** (यह) के द्वितीया विभक्ति (कर्मकारक) के रूप नीचे दिए गए हैं। **एतद्** के रूप **तद्** के रूपों से पहले ए जोड़कर बनाए जा सकते हैं:

पुंलिंग			स्त्रीलिंग			नपुंसकलिंग		
एक.	द्वि.	बहु.	एक.	द्वि.	बहु.	एक.	द्वि.	बहु.
तम्	**तौ**	**तान्**	**ताम्**	**ते**	**ताः**	**तत्**	**ते**	**तानि**
एतम्	**एतौ**	**एतान्**	**एताम्**	**एते**	**एताः**	**एतत्**	**एते**	**एतानि**

टिप्पणी: एतम् का वैकल्पिक रूप **एनम्** भी है।

6.5 अ. नीचे दिए वाक्यों को बोलकर पढ़िए और उनका हिन्दी में अनुवाद कीजिएः

1. शिक्षकः तान् बालकान् विद्यालयं नयति। 2. अहं तं पश्यामि। 3. सः मां पश्यति। 4. सः तां स्मरति। 5. सा तं स्मरति। 6. अहम् एतत् पुस्तकं पठामि। 7. ते तानि पुस्तकानि पठन्ति। 8. यूयं ताः स्मरथ। 9. वयम् एनं पाठं पठामः। 10. आवां तत् नगरं गच्छावः।

6.6 सर्व. सर्व (सब), **किम्** (क्या) और **यद्** (जो) सर्वनामों के रूप **तद्** की तरह बनते हैं। इनके रूप बनाते समय **किम्** और **यद्** क्रमशः **क** और **य** में बदल जाते हैं। (परन्तु नपुंसकलिंग की प्रथमा विभक्ति के एकवचन में **सर्व** और **किम्** के रूप क्रमशः **सर्वम्** और **किम्** बनते हैं।) नीचे **तद्** के साथ **सर्व, किम्** और **यद्** सर्वनामों के प्रथमा, द्वितीया और षष्ठी विभक्ति के रूप दिए गए हैंः

प्रथमा (कर्ताकारक)

पुंलिंग			स्त्रीलिंग			नपुंसकलिंग		
एक.	द्वि.	बहु.	एक.	द्वि.	बहु.	एक.	द्वि.	बहु.
सः	**तौ**	**ते**	**सा**	**ते**	**ताः**	**तत्**	**ते**	**तानि**
सर्वः	**सर्वौ**	**सर्वे**	**सर्वा**	**सर्वे**	**सर्वाः**	**सर्वम्**	**सर्वे**	**सर्वाणि**
कः	**कौ**	**के**	**का**	**के**	**काः**	**किम्**	**के**	**कानि**
यः	**यौ**	**ये**	**या**	**ये**	**याः**	**यत्**	**ये**	**यानि**

द्वितीया (कर्मकारक)

पुंलिंग			स्त्रीलिंग			नपुंसकलिंग		
एक.	द्वि.	बहु.	एक.	द्वि.	बहु.	एक.	द्वि.	बहु.
तम्	**तौ**	**तान्**	**ताम्**	**ते**	**ताः**	**तत्**	**ते**	**तानि**
सर्वम्	**सर्वौ**	**सर्वान्**	**सर्वाम्**	**सर्वे**	**सर्वाः**	**सर्वम्**	**सर्वे**	**सर्वाणि**
कम्	**कौ**	**कान्**	**काम्**	**के**	**काः**	**किम्**	**के**	**कानि**
यम्	**यौ**	**यान्**	**याम्**	**ये**	**याः**	**यत्**	**ये**	**यानि**

षष्ठी (संबंधकारक)

पुंलिंग			स्त्रीलिंग			नपुंसकलिंग		
एक.	द्वि.	बहु.	एक.	द्वि.	बहु.	एक.	द्वि.	बहु.
तस्य	तयो:	तेषाम्	तस्या:	तयो:	तासाम्	तस्य	तयो:	तेषाम्
सर्वस्य	सर्वयो:	सर्वेषाम्	सर्वस्या:	सर्वयो:	सर्वासाम्	सर्वस्य	सर्वयो:	सर्वेषाम्
कस्य	कयो:	केषाम्	कस्या:	कयो:	कासाम्	कस्य	कयो:	केषाम्
यस्य	ययो:	येषाम्	यस्या:	ययो:	यासाम्	यस्य	ययो:	येषाम्

हम एक बार फिर आपको सलाह देंगे कि आप इन रूपों को याद करने में शक्ति न लगाएँ। बस, इन्हें पहचानने का प्रयास करें। आप इन्हें बार-बार दोहराएँ और इनकी समानताओं और भिन्नताओं को समझें।

6.7 प. नीचे के दिए वाक्यों को बोलकर पढ़िए और उनका हिन्दी में अनुवाद कीजिए:

1. त्वं क: असि? 2. अहं छात्र: अस्मि। 3. ते के सन्ति? 4. ते मम शिक्षका: सन्ति। 5. ये बालका: तत्र सन्ति ते सर्वे अस्माकं विद्यालयस्य छात्रा: सन्ति। 6. अत्र के वसन्ति? 7. अत्र अस्माकं शिक्षका: वसन्ति। 8. ये फलानि खादन्ति दुग्धं च पिबन्ति ते सबला: भवन्ति। 9. ये सर्वान् निन्दन्ति ते दुर्जना: सन्ति। 10. एतानि सर्वाणि पुस्तकानि के पठन्ति? 11. एतानि सर्वाणि पुस्तकानि अस्माकं विद्यालयस्य छात्रा: पठन्ति। 12. कस्या: नाम कमला अस्ति? 13. मम नाम कमला अस्ति। 14. एतस्या: नाम रमा अस्ति।

6.8 अ. नीचे भू-गण की कुछ और धातुएँ, उनके अंग तथा लट् लकार के अन्य पुरुष के रूप दिए गए हैं :

धातु	अर्थ	अंग	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
चल्	चलना	**चल**	**चलति**	**चलत:**	**चलन्ति**
जि	जीतना	**जय**	**जयति**	**जयत:**	**जयन्ति**
त्यज्	छोड़ना	**त्यज**	**त्यजति**	**त्यजत:**	**त्यजन्ति**
दह्	जलाना	**दह**	**दहति**	**दहत:**	**दहन्ति**
पच्	पकाना	**पच**	**पचति**	**पचत:**	**पचन्ति**
रक्ष्	रक्षा करना	**रक्ष**	**रक्षति**	**रक्षत:**	**रक्षन्ति**
वद्	बोलना	**वद**	**वदति**	**वदत:**	**वदन्ति**
हस्	हँसना	**हस**	**हसति**	**हसत:**	**हसन्ति**

6.9 प. नीचे दिए वाक्यों को बोलकर पढ़िए और इनका हिन्दी में अनुवाद कीजिए:

1. तत् अस्माकं गृहम्। 2. वयं तत्र वसाम:। 3. अस्माकं पिता च माता च अपि तत्र वसत:। 4. स: बालक: मधुरं दुग्धं पिबति। 5. वयम् अपि मधुरं दुग्धं पिबाम:,

मधुराणि फलानि च खादामः। 6. धनं सदा न तिष्ठति। 7. धनं मनुष्यं त्यजति। 8. विद्या तं न त्यजति। 9. एते जनाः देशं रक्षन्ति। 10. तस्याः हृदयं कोमलम्। 11. तस्य स्वभावः मधुरः। 12. अस्माकं विद्यालयस्य सर्वाः बालिकाः मधुरं वदन्ति। 13. माता पुत्रस्य मुखं पश्यति। 14. यत्र आशा अस्ति तत्र बलम् अस्ति। 15. ज्ञानं विना मनुष्याः सबलाः न भवन्ति। 16. अग्निः काष्ठं दहति। 17. मम माता भोजनं पचति। 18. अहम् अपि भोजनं पचामि। 19. यूयं सर्वे हसथ। 20. वयम् अत्र न हसामः। 21. सः सदा सत्यं वदति। 22. वयमपि सदा सत्यं वदामः। 23. ते सदा जयन्ति। 24. त्वं वेगेन चलसि। 25. वयम् अद्य अत्र तिष्ठामः।

6.10 अ. **'क'** स्तम्भ के वाक्यों में रिक्त स्थानों को **'ख'** स्तम्भ से उपयुक्त कर्ता चुनकर भरिएः

	क	**ख**
1.	..... दुग्धं पिबन्ति।	त्वं
2.	.....चित्राणि पश्यामः।	तौ
3.	.....पुस्तकं पठथ।	ताः बालिकाः
4.	..... गृहं त्यजतः।	यूयं
5.	..... भोजनं पचसि?	युवां
6.	..... अद्य अत्र तिष्ठामि।	सः बालकः
7.	..... हसथः।	वयं
8.	..... अत्र क्रीडावः।	अहं
9.	..... युष्मान् निन्दति।	आवां

6.11 सा. **यद्, तद्** और उनसे व्युत्पन्न सर्वनामों के जोड़ों का प्रयोग दो वस्तुओं, व्यक्तियों या घटनाओं के बीच संबंध प्रदर्शित करने के लिए किया जाता है। यह आवश्यक नहीं है कि **यद्** और **तद्** के रूप एक ही विभक्ति में हों।

यः बालकः तत्र क्रीडति सः मम भ्राता– जो लड़का वहाँ खेल रहा है वह मेरा भाई है।

यत् त्वं वदसि तत् सत्यं न अस्ति– तुम जो कह रहे हो वह सच नहीं है।

यस्य तत् पुस्तकं तस्य एतानि चित्राणि– जिसकी वह पुस्तक है उसके ये चित्र हैं।

या बालिका तत्र क्रीडति एषा माला तस्याः अस्ति–जो लड़की वहाँ खेल रही है यह माला उसकी है।

यत्र, **यदा** और कुछ अन्य अव्यय जिनके बारे में बाद में पढ़ेंगे, **यद्** से संबंधित हैं। इसी प्रकार **तत्र**, **तदा** और कुछ अन्य अव्यय **तद्** से संबंधित है। इनका प्रयोग भी उपर्युक्त उदाहरणों की तरह जोड़ों में होता है। जैसेः–

यदा स: पठति तदा अहम् अपि पठामि—जब वह पढ़ता है तब मैं भी पढ़ता हूँ।

यत्र तस्या: भ्राता गच्छति सा तत्रैव गच्छति—जहाँ उसका भाई जाता है वह वहीं जाती है। (**तत्र + एव = तत्रैव**)

6.12 सा. पाठ 4.9 में हमने कुछ स्थानवाचक अव्यय सीखे थे। आइए, हम अब कुछ समयवाचक अव्यय पढ़ें:-

अधुना	अब	**कदापि न**	कभी नहीं
तदा	तब	**सदा**	हमेशा
इदानीम्	अब	**सर्वदा**	हमेशा
कदा	कब	**अद्य**	आज
यदा	जब	**प्रात:**	सुबह
यदा-कदा	कभी-कभी	**सायम्**	शाम को

6.13 प. नीचे दिए वाक्यों को बोलकर पढ़िए और उनका हिन्दी में अनुवाद कीजिए:

1. अहम् अधुना भोजनं पचामि। 2. यूयं मंदिरं कदा गच्छथ? 3. वयं प्रात: मन्दिरं गच्छाम:। 4. तत्र सदा शान्ति: भवति। 5. अस्माकं विद्यालयस्य बालका: सायं क्रीडन्ति। 6. अहं कदापि मदिरां न पिबामि। 7. तस्य भ्राता यदा-कदा मदिरां पिबति। 8. अद्य स: अत्र एव तिष्ठति। 9. सा इदानीं हसति। 10. यां स: स्मरति ताम् एव अहम् अपि स्मरामि। 11. यत्र भवान् वसति तत्र एव स: अपि वसति। 12. यत् पुस्तकं त्वं पठसि सा अपि तत् पुस्तकं पठति। 13. त्वं पाठं कदा पठसि? 14. यदा शिक्षक: आगच्छति तदा अहं पाठं पठामि। 15. वयं सर्वदा ईश्वरं स्मराम:।

6.14 अ. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए:

1. मैं यहाँ पुस्तक पढ़ रहा हूँ। 2. मेरा विद्यालय वहाँ है। 3. ये चित्र तुम्हारे हैं। 4. आप (भवन्त:) क्या दे रहे हैं? 5. हम ये मालाएँ दे रहे हैं। 6. वे सब हमारे विद्यालय के विद्यार्थी हैं। 7. उस लड़की का नाम विमला है। 8. घर के चारों ओर जगंल है। 9. हम (सब) मीठे फल खा रहे हैं। 10. वे पुस्तकों के बिना विद्यालय नहीं जाते।

अभ्यासों के उत्तर

6.2 1. वह मुझे वहाँ ले जा रहा है। 2. हमारी माता जी हमें याद करती हैं। 3. हम तुम्हें (सब को) देख रहे हैं। 4. आप (सब) हमें देख रहे हैं। 5. तुम्हारा भाई तुम्हें कहाँ ले जा रहा है? 6. वह मुझे बगीचे में ले जा रहा है। 7. मैं अब बगीचे को जा रहा हूँ। 8. वे तुम्हारी (दोनों की) निन्दा करते हैं। 9. हम (दोनों) तुम्हारी (दोनों की) निन्दा नहीं करते। 10. वे (दोनों) वहाँ खेल रहे हैं।

6.5 1. मैं उसे देख रहा हूँ। 2. वह मुझे देख रहा है। 3. वह उसे (स्त्री.) याद कर रहा है। 4. वह उसे याद कर रही है। 5. मैं इस पुस्तक को पढ़ रहा हूँ। 6. वे उन पुस्तकों को पढ़ रहे हैं। 7. आप (सब) उन्हें (स्त्री.) याद करते हैं। 8. हम इस पाठ को पढ़ रहे हैं। 9. हम (दोनों) उस शहर को जा रहे हैं। 10. अध्यापक उन लड़कों को विद्यालय ले जा रहा है।

6.7 1. तुम कौन हो? 2. मैं विद्यार्थी हूँ। 3. वे कौन हैं? 4. वे मेरे अध्यापक हैं। 5. जो लड़के वहाँ हैं वे (सब) हमारे विद्यालय के छात्र हैं। 6. यहाँ कौन रहते हैं? 7. यहाँ हमारे अध्यापक रहते हैं। 8. जो फल खाते हैं और दूध पीते हैं वे बलवान होते हैं। 9. जो सब की निन्दा करते हैं वे दुर्जन हैं। 10. इन सब पुस्तकों को कौन पढ़ते हैं? 11. इन सब पुस्तकों को हमारे विद्यालय के छात्र पढ़ते हैं। 12. किसका नाम कमला है? 13. मेरा नाम कमला है। 14. इसका नाम रमा है।

6.9 1. वह हमारा घर है। 2. हम वहाँ रहते हैं। 3. हमारे पिता जी और माता जी भी वहाँ रहते हैं। 4. वह लड़का मीठा दूध पी रहा है। 5. हम भी मीठा दूध पीते हैं, और मीठे फल खाते हैं। 6. धन हमेशा नहीं रहता। 7. धन मनुष्य को छोड़ देता है। 8. विद्या उसे नहीं छोड़ती। 9. ये लोग देश की रक्षा करते हैं। 10. उसका (स्त्री.) हृदय कोमल है। 11. उसका स्वभाव मधुर है। 12. हमारे विद्यालय की सब लड़कियाँ मीठी वाणी बोलती हैं। 13. माता बेटे का मुँह देख रही है। 14. जहाँ आशा है वहाँ बल है। 15. ज्ञान के बिना मनुष्य बलवान नहीं होते। 16. आग लकड़ी को जलाती है। 17. मेरी माता जी भोजन पका रही है। 18. मैं भी भोजन पकाता हूँ। 19. तुम सब हँस रहे हो। 20. हम यहाँ नहीं हँसते। 21. वह हमेशा सच बोलता है। 22. हम भी हमेशा सच बोलते हैं। 23. वे हमेशा जीतते हैं। 24. तुम तेज़ चलते हो। 25. हम आज यहाँ रहेंगे।

6.10 1) ताः बालिकाः 2) वयम् 3) यूयम् 4) तौ 5) त्वम् 6) अहम् 7) युवाम् 8) आवाम् 9) सः बालकः।

6.13 1. मैं अब खाना बना रहा/रही हूँ। 2. तुम मंदिर कब जाते हो? 3. हम सुबह मंदिर जाते हैं। 4. वहाँ हमेशा शान्ति होती है। 5. हमारे विद्यालय के लड़के शाम को खेलते हैं। 6. मैं कभी शराब नहीं पीता। 7. उसका भाई कभी-कभी शराब पीता है। 8. आज वह यहीं ठहर रहा है। 9. वह इस समय हँस रहा है। 10. जिसे वह याद कर रहा है उसे मैं भी याद कर रहा हूँ। 11. जहाँ आप रहते हैं वहाँ वह भी रहता है। 12. जिस पुस्तक को तुम पढ़ रहे हो वह भी उस पुस्तक को पढ़ रही है। 13. तुम पाठ कब पढ़ते हो? 14. जब अध्यापक आता है तब मैं पाठ पढ़ता हूँ। 15. हम हमेशा ईश्वर को याद करते हैं।

6.14 1. अहम् अत्र पुस्तकं पठामि। 2. मम विद्यालयः तत्र अस्ति। 3. एतानि चित्राणि युष्माकं (तव) सन्ति। 4. भवन्तः किं यच्छन्ति? 5. वयम् एताः मालाः यच्छामः। 6. ते सर्वे अस्माकं विद्यालयस्य छात्राः सन्ति। 7. तस्याः बालिकायाः नाम विमला अस्ति। 8. गृहं परितः वनम् अस्ति। 9. वयं सर्वे मधुराणि फलानि खादामः। 10. ते पुस्तकानि विना विद्यालयं न गच्छन्ति।